साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 30 — गोंदिया : गुरूवार, 4 से 10 मार्च 2021 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी महामंडल द्वारा

३३ लाख क्विंटल धान की खरीदी, कब होंगा चावल निर्माण?

लाखों क्विंटल धान खुले में, गोदाम हॉऊसफुल

नवीन अग्रवाल – गोंदिया जिले में धान उत्पादक किसानों से शासकीय आधारभूत सेंटर जिला मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल के माध्यम से ३३ लाख क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है लेकिन इस वर्ष धान मिलिंग कर चावल निर्माण की प्रक्रिया पुरी तरह शुरु न होने के चलते पुरे गोदाम हॉऊसफुल हो चुके हैं। जिससे लाखों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे रखा हुआ हैं। जिससे लाखों क्विंटल धान खराब होने की संभावना बनी हुई हैं। इस वर्ष खरीदे गए धान का चावल निर्माण समय अवधि के पूर्व पुरा होंगा क्या इसपर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला धान उत्पादक जिला होने से प्रतिवर्ष शासन द्वारा किसानों से शासकीय आधारभूत खरीदी केंद्रो के माध्यम से धान की खरीदी कर उसका चावल निर्माण करवाकर राशन वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित किया जाता हैं। जिले में इस वर्ष धान की खरीदी नवंबर माह से ही जिला माकेटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल के खरीदी केंद्रों के माध्यम से शुरु की गई। इसके पूर्व धान खरीदी सेंटर के शुरु होते ही १५ दिनों में मिलिंग का कार्य शुरु हो जाता है। लेकिन इस वर्ष मार्च माह शुरु होने के बावजूद मिलिंग पुरी तरह शुरु नही हो पाई है। जिससे बारिश के पूर्व शासन द्वारा खरीदे गए धान पुरे की प्रक्रिया हो पाएगी क्या इसपर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

३३ लाख क्विंटल की हो चुकी खरीदी

गोंदिया जिले में अब तक जिला मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा २४ लाख क्विंटल तथा आदिवासी विकास महामंडल द्वारा ९ लाख क्विंटल की खरीदी हो चुकी है। जबकि खरीदे गए धान की क्षमता के अनुसार गोदाम की व्यवस्था नही होने से लाखों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है। गत माह बेमौसम बारिश होने से इसे काफी नुकसान भी पहुंचा है। यदि समय रहते तेज गति से चावल निर्माण की प्रक्रिया शुरु नही हो पाई तो लाखों क्विंटल धान खराब हो सकता है।

अतिरिक्त गोदाम लाखों का किराया अधिक

धान मिलिंग शुरु नही होने से अतिरिक्त गोदाम की व्यवस्था शासन को करना पड़ रहा है। जिला मार्केटिंग फेडरेशन के पास १५ लाख क्विंटल क्षमता के ही गोदाम उपलब्ध थे। जिससे उन्हें १० लाख क्विंटल क्षमता के अतिरिक्त गोदामों की व्यवस्था करना पड़ रहा है। जिससे लाखों रुपए का अतिरिक्त किराया शासन को देना होंगा। इसके साथ ही आदिवासी विकास महामंडल के पास भी गोदामों की समूचित व्यवस्था न होने से खुले आसमान के नीचे धान रखना पड़ रहा है।

मिलिंग का करारनामा शुरु

जिले में चावल निर्माण के लिए राईस मिल मालिकों से करारनामा शुरु किया गया है। इस वर्ष मार्केटिंग फेडरेशन को ३४० मिलर्स व आदिवासी विकास महामंडल को २९६ मिलर्स की मंजूरी मिली हैं। जिसमें अब तक मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा २५० मिलरों से तथा महामंडल द्वारा १४० मिलरों से करारनामा किया जा चुका है। संबंधित मिल मालिकों द्वारा बैंक गैरेंटी जमा करवाए जाने के पश्चात धान मिलिंग के लिए देना शुरु किया जा रहा है। जिसमें अब तक २० हजार क्विंटल धान दिया जा चुका है तथा जल्द ही धान मिलिंग की प्रक्रिया को गति मिलेंगी।

– डी.के.वानखेड़े
जिला आपूर्ति अधिकारी गोंदिया

मिलर्स व शासन के बीच गतिरोध से हुई देरी

जिले में इस वर्ष राईस मिल मालिकों द्वारा मिलिंग दर को लेकर हड़ताल की थी। शासन द्वारा गत वर्ष ४० रुपए प्रति क्विंटल देने का तय किया था। लेकिन उन्हें १० रुपए क्विंटल की दर से भुगतान किया गया था। जिससे बकाया भुगतान व इस वर्ष मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसार ६० रुपए प्रति क्विंटल दर देने की मांग की थी। काफी दिनों तक शासन व मिलर्स के बीच चर्चा के पश्चात शासन द्वारा गत वर्ष के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरु की तथा इस वर्ष मिलिंग की दर बढ़ाकर देने का आश्वासन दिया। जिसके पश्चात मिलर्स की हड़ताल खत्म होने के पश्चात अब मिलिंग की प्रक्रिया शुरु हुई है।

कोरोना संक्रमण के नियमों का जिलाधिकारी ने किया उल्लंघन

सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का नही किया उपयोग

गोंदिया– देश के साथ ही राज्य में कोरोना का संक्रमण चल रहा है। जिससे बचाव के लिए शासन द्वारा नियमावली जारी की गयी है। जिसका पालन करना सभी के लिये अनिवार्य है। लेकिन गोंदिया जिले के जिलाधिकारी द्वारा विभागिय आयुक्त संजीव कुमार के साथ जिले के तीर्थ पर्यटन क्षेत्र मांडोदेवी में दौरे के दौरान इसका खुला उल्लंघन किया गया। जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने के साथ ही मास्क का उपयोग भी नहीं किया गया। जिसकी फोटो सोशल मिडिया व सामाचार पत्रों में छाई रही। विशेष यह है कि एक ओर तो राज्य के मुख्यमंत्री इसका कड़ाई से पालन करते है, वे किसी भी कार्यक्रम या सभा में जब पहुंचते हैं तो इन नियमों का पालन होता दिखाई देता है। संक्रमण से नागरिकों को बचाने के लिए शासन द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन करवाना जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है। लेकिन जब जिलाधिकारी व विभागिय आयुक्त जैसे वरिष्ठ अधिकारी द्वारा ही नियमों का उल्लंघन किया जाएगा, तो सामान्य नागरिकों से किस प्रकार अपेक्षा की जा सकती है। एक ओर तो इन नियमों का उल्लंघन करने पर नागरिकों से दंड वसुला जा रहा है लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इसका उल्लंघन किया जाये तो उन पर कौन कार्यवाई करेंगा... इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

वन्यप्राणी के हमले में चरवाहे की मौत

संतोष रोकड़े – अर्जुनी मोरगांव तहसील के केशोरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले चीजटोला निवासी चरवाहे लक्ष्मण गांडो भोगारे (७०) की वन्यप्राणी के हमले में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक १ मार्च की सुबह अपने मवेशियों को चराने के लिए केशोरी रोड़ स्थित जंगल परिसर में गया था। शाम तक वापस नहीं आने पर परिवार वालों ने तलाश की, तो जंगल परिसर में उसका शव दिखाई दिया, जिसे किसी वन्यप्राणी द्वारा हमला कर मार दिया गया था। घटना की जानकारी वन विभाग व पुलिस विभाग को दिए जाने के पश्चात वन विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरु की। विशेष यह है कि तहसील के जंगल परिसर में गत कुछ समय से वन्य प्राणियों के हमले बढ़ रहे हैं, जिसमें नागरिकों को अपनी जान गवाने के साथ ही ग्राम परिसर में हिंसक वन्यजीव प्रवेश कर पालतू मवेशियों का भी शिकार कर रहे हैं। जिसके चलते ग्रामीणों द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किए जाने की मांग वन विभाग से की है। समाचार लिखे जाने तक किस हिंसक प्राणी द्वारा हमला किया गया, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। मृतक के शव विच्छेदन के पश्चात ही इसका खुलासा होगा कि उस पर हमला किस प्राणी ने किया गया है।

२ भालुओ की ट्रेन से कटकर मौत

मुंबई हावड़ा लाइन पर गंगाझरी के पास हुआ हादसा

गोंदिया वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गंगाझरी रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित रेलवे चौकी के पास बुधवार ३ मार्च की सुबह ५ बजे के दौरान हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस की चपेट में आकर २ भालुओं की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी गोंदिया वन विभाग को मिलते ही सहायक वन संरक्षक एस.एस. सदगीर व वन परिक्षेत्र अधिकारी सुशील नादंवटे, वन क्षेत्र सहायक आर. भांडारकर, बीट रक्षक बी.टी. खरौले अन्य सहकर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक भालुओ का पंचनामा कर शव विच्छेदन के लिए पशु चिकित्सालय में भिजवाया।

विशेष यह है की उपरोक्त क्षेत्र संरक्षित वन क्षेत्र नागझिरा से लगा होने के चलते ग्रीष्म काल के शुरु होते ही पानी की तलाश में वन्य जीव वनों से बाहर निकल कर पानी की तलाश करते हैं। जिसके चलते रेलवे लाइन पार करते समय इस प्रकार की घटना घटित हो जाती है। इसके पूर्व भी अनेकों बार तेंदुआ व अन्य वन्यजीवों की मौत उपरोक्त परिसर में हो चुकी है। जिसके चलते ग्रामीणों द्वारा वन विभाग से मांग की है कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा सुरक्षा के कदम उठाया जाए।

कोरोना काल के दौरान

फीस वसूलने वाले स्कूलों पर गिरेंजी गाज

अतिरिक्त फीस को लेकर भी बनाया नियोजन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– कोरोना संक्रमण के शुरुवाती दौर में ही स्कूलों को बंद कर दिया गया था। लेकिन इसके बावजूद कुछ स्कूलों की ओर से विद्यार्थियों से फीस वसूलने का कार्य किया जा रहा है, तथा फीस का भुगनान नहीं किए जाने पर विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा हेतु तैयार किए गए व्हॉट्स्एप ग्रुप से बाहर निकालने, पिछले वर्ष की गुणपत्रिका नही देना इस प्रकार की स्कूलों की ओर से बात कही जा रही थी। लेकिन अब शिक्षा विभाग की ओर इस प्रकार शिकायत मिलने पर उक्त शालाओं के खिलाफ संबंधित विभाग को कड़ी कार्यवाई करने के निर्देष दिए गए हैं। जिसके चलते कोरोना काल के दौरान शिक्षा की फीस वसूली करनेवाले व विद्यार्थियों की ऑनलाइन शिक्षा में तथा किसी भी प्रकार की बाधा निर्माण करनेवाले स्कूलों में हड़कंप मच गया हैं। गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा मंत्री प्रा. वर्षा गायकवाड़ ने स्कूलों में बढ़ाई जा रही निरंतर फिस तथा विद्यार्थियों को स्कूलों में हो रही अन्य परेशानियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (शिक्षण) आयुक्त सचिव (विधि व न्याय विभाग) आदि उपस्थित थे। शासन द्वारा जारी किए गए अधिनियम २०११ व महाराष्ट्र शैक्षणिक अधिनियम २०१६ के तहत विद्यार्थियों को हो रही परेशानी तथा फीस भरने में सक्षम नहीं होने वाले विद्यार्थियों को बाधा निर्माण करना व फिस की बढ़ोत्तरी करने पर स्कूलों पर कार्यवाई करने का प्रावधान हैं। उसी प्रकार राज्य स्तर और संभागीय शुल्क नियंत्रण समितियों का गठन किया जाएगा जहां अभिभावकों की फीस वृद्धि संबंधी शिकायतें ली जाएगी।

महिला योग शिक्षिका माधुरी परमार ने कोरोना संक्रमण काल में १० माह तक

१० हजार कोरोना संक्रमित मरीजों को दिया योग का प्रशिक्षण

गोंदिया– कोरोना संक्रमण काल के दौरान संक्रमित मरीजों का मनोबल व रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए गोंदिया जिले की पहली महिला योग शिक्षिका माधुरी परमार (वानकर) ने निरंतर १० माह तक अपनी सेवा देकर १० हजार संक्रमित मरीजों को योग व नेचरोपैथि का प्रशिक्षण विभिन्न शासकीय सेंटरो में पहुंचकर दिया। जिससे मरीजों को संक्रमण के दौरान बिमारी से लड़ने में काफी सहायता मिली। उनके इस सेवाभाव को देखते हुए २६ जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोरोना योद्धा के रुप में जिले के पालक मंत्री के हस्ते सम्मानित भी किया गया। कोरोना के संक्रमण का प्रसार देश में होने के बाद मार्च २०२० से लॉकडाऊन किया गया था। जिसमें यातायात के सभी साधन बंद होने से सैकड़ो लोग भी विभिन्न स्थानों में रोका गया था। जिनके रुकने की व्यवस्था के लिए शासन द्वारा सेल्टर होम बनाए गए थे। जहां अनेक दिनों तक एक जगह रुके रहने से उनकी शारीरिक व मानसिक स्थिति भी डगमगाने लगी थी। ऐसे समय में योग शिक्षिका माधुरी परमार ने उन सेंटरो में भी पहुंचकर २ शिफ्टों में योग के माध्यम से उन्हें शारीरिक व मानसिक रुप से स्वस्थ्य रहने में सहायता की।

१० हजार संक्रमित मरीजों को योग का दिया प्रशिक्षण

कोरोना संक्रमण काल के दौरान अप्रैल २०

से जनवरी २१ तक १० माह की समय अवधि में करीब १० हजार संक्रमित मरीजों विभिन्न शासकीय सेंटरो में पहुंचकर योग प्रशिक्षण व नेचरोपैथि के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। इस दौरान बी.पी. शुगर, थॉयराईड, अस्था, सायटिका के मरीजों को भी इसके माध्यम से स्वस्थ्य रखने में मद्द की। जिसमें उन्हें प्राणायाम, सुर्य नमस्कार करवाया गया इसके साथ ही मरीजों में उत्साह बढ़ाने के लिए झुंबा ऐरोबिक भी करवाया गया।

जिसमें विभिन्न सेंटर पॉलिटेक्नीक कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, क्रिड़ा संकुल, स्वागत लॉन, जिनियस रिसोट, मनोहर हाईस्कूल, गर्ल्स हाईस्कल, बेघर निवारा आदि का समावेश है।

योगशिक्षिका के रुप में बनी जिले का गौरव

गोंदिया जिले की पहली महिला योग शिक्षिका होने के साथ ही राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न योग प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व कर जिले का गौरव बढ़ाया है। जिसमें अनेक पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं।

संपादकिय

भरोसे का टीका

टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण के पहले दिन प्रधानमंत्री के खुद टीका लगवाने से निस्संदेह इसे लेकर लोगों में बनी हिचक कुछ टूटेगी। कुछ राज्यों में कोरोना के मामले फिर से बढ़ने शुरु हो गए हैं, चिकित्सक लगातार जोर दे रहे हैं कि लोगों को टीकाकरण अभियान में आगे बढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और कोरोना का चक्र तोड़ने में काफी मदद मिलेगी। मगर अब भी बहुत सारे लोग इस टीकाकरण अभियान को शक की नजर से देखते आ रहे हैं।

दरअसल, जब टीकाकरण अभियान शुरु हुआ था, तब कुछ विपक्षी राजनीतिक दलों ने इसके प्रभाव को लेकर शक जाहिर किया था। उनका कहना था कि इन दोनों टीकों का सिर्फ दो चरण का परीक्षण पूरा हुआ है, इनके तीसरे चरण के परीक्षण के लिए पूरे देश को दांव पर नहीं लगाना चाहिए। मगर टीका बनाने वाली कंपनियां और तमाम चिकित्सक भरोसा दिलाते रहे कि इन टीकों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

फिर भी बहुत सारे लोगों का इस पर भरोसा नहीं बन पा रहा था। पहले चरण में पंजीकृत बहुत सारे स्वास्थ्य कर्मियों ने भी टीका लगवाने को लेकर अपने पांव पीछे खींच लिए थे। कुछ राजनीतिक दलों ने सवाल भी उठाए थे कि अगर ये टीके इतने निरापद हैं तो क्यों नहीं प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री खुद टीका लगवाते।

उसके बाद प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि दूसरे चरण में वे टीका लगवाएंगे। उनके साथ राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक भी टीका लगवाएंगे। इस क्रम में दूसरे चरण के पहले दिन बिहार और ओडीशा के मुख्यमंत्रियों ने भी टीके लगवा लिए।

ऐसे आपदा के वक्त जब किसी अभियान को लेकर लोगों का भरोसा नहीं बन पाता तो शीर्ष नेतृत्व के आगे आने से उनमें आत्मबल जागता ही है। प्रधानमंत्री पर बहुसंख्य लोगों को भरोसा रहता है, इसलिए उनके आगे आने से इस अभियान के गति पकड़ने की उम्मीद स्वाभाविक है। अब निजी अस्पतालों में भी टीके उपलब्ध कराने की घोषणा कर दी गई है।

कीमत भी तय कर दी गई है। ढाई सौ रुपए। इस तरह जो लोग सरकारी टीकाकरण केंद्रों में जाने से हिचकते रहे होंगे, वे भी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे। जो भी पैसे खर्च करके टीका लगवा सकते हैं, वे भीड़भाड़ से बचने के लिए निजी अस्पतालों की सेवाएं लेना बेहतर समझेंगे। पहले भी अनेक बीमारियों के वक्त जब टीके लगवाना अनिवार्य कर दिया गया था, चाहे वह हेपेटाइटिस हो या अन्य बीमारियां, तब बड़ी संख्या में लोगों ने पैसे खर्च कर टीके लगवाए थे। इसलिए इस अभियान में भी बड़ी संख्या में लोग जुड़ेंगे।

कोरोना टीकाकरण अभियान में गति लाना इसलिए बहुत जरुरी है कि इस महामारी पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। इसका विषाणु अपने रूप बदल कर बार-बार आक्रामक हो उठ रहा है। भारत जैसे देश में, जहां आबादी अधिक है और भीड़भाड़ पर अंकुश लगाना खासा कठिन काम है, वहां लोगों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर जोर दिया जाना बहुत जरुरी है।

इसलिए चिकित्सक जोर दे रहे हैं कि जितने अधिक लोगों को टीका लगाया जा सकेगा, उतना अधिक इस विषाणु के प्रभाव को रोकने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य जितना राज्यों का विषय है, उतना ही व्यक्तिगत जागरुकता और सावधानी का भी, इसलिए जब तक लोग खुद अपनी सेहत को लेकर सतर्क नहीं होंगे, कोई भी स्वास्थ्य योजना लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएगी। प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्रियों के टीका लगवाने के बाद निश्चय ही इस अभियान को बल मिलेगा।

गोंदिया नगर परिषद

वर्ष २०२१-२२ के लिए २२३ करोड़ का बजट पेश

गोंदिया- स्थानिय नगर परिषद का सुधारित बजट शुक्रवार २६ फरवरी को नप के सभागृह में ऑनलाइन आमसभा में पारित हुआ। जिसमें शहर के विभिन्न विकास कार्यों के लिए चर्चा कर २२३ करोड़ का अनुमानित बजट प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से नप की नई प्रशासकीय इमारत निमार्ण कार्य के लिए १४ करोड़ रुपए की निधि सुरक्षित रखने को मंजूरी दी गई। कोरोना महामारी के चलते करीब १ वर्ष से निधि के अभाव में गोंदिया शहर के विकास कार्य नही हो पा रहे थे। जिससे नप के २०२१-२२ के बजट में किस तरह का विकास का नियोजन होता है। इस पर शहरवासियों की नजरें टीकी हुई थी। शुक्रवार को पारित बजट में श्मशान भूमि विकास के लिए २५ लाख रुपए जल संधारण एवं नाला निर्माण कार्य के लिए २० लाख रुपए प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं की इमारत निर्माण तथा दुरुस्ती के लिए ३० लाख रुपए, नगरसेवक निधि के लिए २.३० करोड़ रुपए, तालाब व जलसंवर्धन संकलन तथा नगरोत्थान अभियान अंतर्गत १.२५ करोड़ रुपए, नगर परिषद की जगह की सुरक्षा दीवार के लिए १ लाख ५० हजार रुपए, मुख्य चौराहों के सौंदर्यीकरण व विद्युतीकरण के लिए ८ लाख रुपए, सुलभ सुविधा गृह के लिए १० लाख रुपए, नप इमारत में आवश्यक सुविधाओं के लिए ३३ लाख रुपए, सुभाष गार्डन के लिए ६० लाख रुपए, सभी प्रभागों में व्यायाम शाला के लिए १ करोड़ रुपए, ज्येष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र के लिए १२ लाख, नगर परिषद योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए १० लाख, यात्री निवास व पार्किंग तथा गार्डन निर्माण के लिए २० लाख रुपए, नई प्रशासकीय इमारत निर्माण के लिए १४ करोड़ रुपए, व्यापार संकुलन निर्माण के लिए ५० करोड़, पोल सिफ्टिंग एवं नए पोल लगाने के लिए ४५ लाख रुपए इस तरह बजट पारित किया गया है। उल्लेखनिय है कि अगले १० माह में गोंदिया नगर परिषद के चुनाव होनेवाले है। जिससे चुनाव की तैयारी ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर लुभावना अर्थसंकल्प पारित किए जाने की चर्चाएं होने लगी है। वहीं सत्ता पक्ष ने वचनपूर्ति करने की बात कहीं तो दुसरी ओर विरोधी पक्ष ने यह केवल घोषणा बाजी एवं दिखावा होने की बात कही है। नगर परिषद के इस बजट में शहर का कितना विकास होगा यह आनेवाला समय ही बाताएगा।

वचनपूर्ति की जा रही है

चुनाव के दौरान शहरवासियों को जो वचन दिए गए थे उनको पूरा किया जा रहा है। पारित किए गए बजट के माध्यम से शहर का सर्वांगीण विकास होगा यह पूर्ण विश्वास है।

-अशोक इंगले, नगराध्यक्ष नप गोंदिया

मोबाइल वैन से कोरोना टीकाकरण की जनजागृती

गोंदिया- कोविड़-१९ टीकाकरण और आत्मनिर्भर भारत इस विषय पर गोंदिया जिले की सभी तहसीलों में जनजागृती करने तैयार किए बहुउपयोगी मोबाइल वैन पर घूमते प्रदर्शन तथा कला पथक अभियान का शुभारंभ अपर जिलाधिश राजेश खवले के हस्ते किया गया। इस बहुआयामी मोबाइल वैन कोविड- १९ टीकाकरण और आत्मनिर्भर भारत इस विषय पर संपूर्ण जिले में घूमती प्रदर्शन व कलापथक के माध्यम से जनजागृती की जाएगी। इस अभियान का नागरिक लाभ उठाए कोरोना का टीका पुरी रुप से सुरक्षित है। जिससे सर्व सामान्य टीका लगा ले। टीकाकरण संबंधी किसी भी अफवाहों पर विश्वास न करें। ऐसा अहवान अपर जिलाधीश राजेश खवले ने किया है। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना संक्रमण का प्रभाव रोकने के लिए शासन से समय-समय पर जारी की गई गाइड लाइन का पालन करें। सभी सामान्य नागरिक मास्क लगाकर सामाजिक दुरी का पालन कर सार्वजनिक परिसरों में बिना कारण भीड़ न करें। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय प्रादेशिक जन संपर्क ब्यूरो पुणे द्वारा अभियान क्रियान्वित किया जा रहा है। इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन यूनिसेफ और स्वास्थ्य विभाग का सहयोग मिला है। इस उपक्रम अंतर्गत महाराष्ट्र के ३६ जिलों में १६ वैन्स द्वारा घूमती प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। नागपुर के माध्यम से गोंदिया जिले की विभिन्न तहसीलों में १० दिन वैन प्रदर्शनी घूम-घूम कर प्रदर्शन करेगी। इसके कलापथक के माध्यम से लोगो तक जनजागृती का संदेश पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर निवासी उपजिलाधिश जयराम देशपांडे, क्षेत्रिय जनसंपर्क ब्यूरो कोलहपुर विभाग के क्षेत्रिय प्रचार अधिकारी हंसराज राऊत, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, निवासी वैद्यकीय अधिकारी, नायब तहसीलदार प्रदीण जमदाडे, जिला आपत्ती व्यवस्थान अधिकारी राजन चौबे, तकनीकी सहायक संजय तिवारी, जिला सूचना व शिक्षा प्रशाचर अधिकारी प्रशांत खरात व जिला समन्वयक के.बी. मिश्रा प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अभियान को सफल बनाने पुणे के संचालक प्रकाश मकदुम के मार्गदर्शन में संचालक निखिल देशमुखख, मीना जेटली, कोल्हापुर के क्षेत्रिय प्रचारी अधिकारी हंसराज राऊत, व्यवस्थापक डॉ. जितेंद्र पानपाटिल, तकनीकी सहायक संजय तिवारी, राजीवनी निमखेड़कर नरेश व कला पथक श्रीकृष्ण बहुउद्देश्यी विकास मंडल यवतमाल टीम के सदस्य सहयोग कर रहे हैं।

सर्वश्रेष्ठ ८ प्राणायाम

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

प्राणायाम के सामान्य नियम :

प्राणायाम करने का स्थान स्वच्छ एवं हवादार होना चाहिए। यदि खुले स्थान में अथवा जल (नदी, तालाब आदि) के समीप बैठकर अभ्यास करें तो सबसे उत्तम है।

नगरों मे जहां प्रदुषण का प्रभाव अधिक हो वहां पर प्राणायाम करने से पहले घी का दीपक, अगरबत्ती या धूपबत्ती जलाकर उस स्थान को सुगंधित करने से बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है।

प्राणायाम करते वक्त बैठने के लिए आसन के रुप में कंबल, दरी, चादर, रबरमैट अथवा चटाई का प्रयोग करें।

प्राणायाम के लिए सिद्धासन/सुखासन या पद्मासन में मेरुदंड को सीधा रखकर बैठे। जो लोग जमीन पर नहीं बैठ सकते वे कुर्सी पर बैठकर प्राणायाम कर सकते हैं।

प्राणायाम करते समय अपनी गर्दन, रीढ़, छाती एवं कमर को सीधा रखें।

श्वास सदा नासिका से ही लेनी चाहिए। इसमें श्वास फिल्टर होकर अंदर जाता है। मुख से श्वास नहीं लेना चाहिए। सामान्यावस्था में भी नासिक से ही श्वास लें।

प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को अपने आहार-विहार, आचार-विचार पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। सदैव सात्विक एवं चिकनाई युक्त आहार ही लें। जैसे- फल एवं उनका रस, हरी तरकारी, सब्जी, दुध, घी आदि।

भास्त्रिका प्राणायाम

विधी : किसी ध्यानात्मक आसन में सुविधानुसार कमर, गर्दन सीधा करके बैठकर दोनों नासापुटों से श्वास को पुरा अंदर डायफ्राम (महापाचीरा पेशी) तक भरना तथा धीरे-धीरे सहजता के साथ छोड़ना, भस्त्रिका प्राणायाम कहलाता है। प्रारंभ में ढाई सैकंड में श्वास अंदर लेना एवं उतने ही समय में श्वास को एक लय के साथ बाहर छोड़ना चाहिए। जिससे की बिना रुके एक मिनिट में १२ बार के औसत से पांच मिनट की एक आवृत्ति में साठ बार अभ्यास करें।

कफ की अधिकता या साइनस आदि रोगों के कारण जिनके नासाछिद्र ठीक से खुले नहीं होते उन लोगो को पहले दायें नासापुट को बंद करके बाये से रेचक और पुरक होना चाहिए। फिर बायें को बंद करके दायें से यथाशक्ति बंद, मध्यम या तीव्र गति से लेकर रेचक और पुरक होना चाहिए। फिर अंत में नासापुरो से अर्थात इड़ा व पिंगला से लेकर पूरक करते हुए भस्त्रिका प्राणायाम करना चाहिए। इसे डायफ्रेग्मेटिक ब्रीदिंग भी कहते हैं।

सावधानी : जिनको उच्च रक्तचाप, दमा या हृदयरोग हो उन्हें तीव्र गति से भस्त्रिका नहीं करनी चाहिए। इस प्राणायाम को करते समय जब श्वास अंदर भरे, तब उदर नही फुलाना चाहिए। श्वास डायफ्राम तक भरे इसमें उदर नही फुलेगा पसलिया तक छाती फुलेगी। इसमें शरीर को गर्मी आती है, अत: ग्रीष्म ऋतु में धीरे-धीरे करना चाहिए।

लाभ : भस्त्रिका प्राणायाम के अभ्यास से प्रतिक्रिया समय (रिचीयन टाईम) में कमी आती है। सर्दी, जुकाम, श्वासरोग, दमा, पुराना नजला, साइनस आदि समस्त कफ रोग नष्ट होते हैं। फेफड़ें सबल बनते हैं तथा हृदय एवं नास्तिष्क को शुद्ध प्राणवायु मिलने से उनको आरोग्य लाभ होता है। रक्त परीशुद्ध होता है, त्रिदोष सम होते हैं। यह प्राणोत्थान और कुण्डलिनी जागरण में बहुत सहायक है।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष, ८ मार्च को मनाया जाता है। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्यार प्रकट करते हुए इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

कुछ क्षेत्रों में, यह दिवस अपना राजनीतिक मूलस्वरुप खो चूका है, और अब यह मात्र महिलाओं के प्रति अपने प्यार को अभिव्यक्त करने हेतु एक तरह से मातृ दिवस और वेलेंटाइन डे की ही तरह बस एक अवसर बन कर रह गया है। हालांकि, अन्य क्षेत्रों में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा चयनित राजनीतिक और मानव अधिकार विषयवस्तु के साथ महिलाओं के राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए अभी भी इसे बड़े जोर-शोर से मनाया जाता है। कुछ लोग बैंगनी रंग के रिबन पहनकर इस दिन का जश्न मनाते हैं।

सबसे पहला दिवस, न्यूयॉर्क शहर में १९०९ में एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रुप में आयोजित किया गया था। १९१७ में सोवियत संघ ने इस दिन को एक राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया, और यह आसपास के अन्य देशों में फैल गया। इसे अब कई पूर्वी देशों में भी मनाया जाता है।

इतिहास

अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर, यह दिवस सबसे पहले २८ फरवरी १९०९ को मनाया गया। इसके बाद यह फरवरी के आखिरी इतवार के दिन मनाया जाने लगा। १९१७ में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में इसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। उस समय इसका प्रमुख ध्येय महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिलवाना था, क्योंकि उस समय अधिकतर देशों में महिला को वोट देने का अधिकार नहीं था।

१९१७ में रुस की महिलाओं ने, महिला दिवस पर रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यह हड़ताल भी ऐतिहासिक थी। जार ने सत्ता छोड़ी, अन्तरिम सरकार ने महिलाओं को वोट देने के अधिकार दिया। उस समय रुस में जुलियन कैलेंडर चलता था और बाकी दुनिया में ग्रेगेरियन कैलेंडर, इन दोनों की तारिखों में कुछ अन्तर है। जुलियन कैलेंडर के मुताबिक १९१७ की फरवरी का आखिरी इतवार २३ फरवरी को था जब की ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार उस दिन ८ मार्च थी। इस समय पूरी दुनिया में (यहां तक रुस में भी) ग्रेगेरियन कैलेंडर चलता है। इसी लिये ८ मार्च महिला दिवस के रुप में मनाया जाने लगा।

प्रसिद्ध जर्मन एक्टिविस्ट क्लारा जेटकिन के जोरदार प्रयासों के बदौलत इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस ने साल १९१० में महिला दिवस के अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप और इस दिन पब्लिक हॉलीडे को सहमति दी। इस फ्लेस्वरुप १९ मार्च, १९११ को पहला डब्ल्यू.डी. ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और जर्मनी में आयोजित किया गया। हालांकि महिला दिवस की तारीख को साल १९२१ में फाइनली बदलकर ८ मार्च कर दिया गया। तब से महिला दिवस पूरी दुनिया में ८ मार्च को ही मनाया जाता है।

आधुनिक संस्कृति में

अफगानिस्तान, अंगोला, आर्मेनिया, आजरबाइजान, बेलारुस, बुर्किना फासो, कंबोडिया, चीन (केवल महिलाओं के लिए) रुस, ताजीकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूगांडा, यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, और जाम्बिया में यह दिन एक आधिकारिक अवकाश के रुप में रहता है।

कुछ देशों में, जैसे कैमरुन, क्रोएशिया, रोमानिया, मोंटेनेग्रो, बोस्निया और हर्जेगोविना, सर्बिया, बुल्गारिया और बिली में इस दिन कोई सार्वजनिक अवकाश नहीं होता, हालांकि फिर भी इसे व्यापक रुप से मनाया जाता है। इस दिवस पर पुरुष प्राय: अपने जीवन में उपस्थित महिलाओं जैसे दोस्तों, माताओं, पत्नी, गर्लफ्रेंड, बेटियों, सहकर्मियों आदि को फूल या कुछ उपहार देते हैं। कुछ देशों में (जैसे बुल्गारिया और रोमानिया) यह दिन मातृ दिवस के रुप में मनाया जाता है, जहां बच्चे अपनी माताओं और दादी को उपहार भी देते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

वृषभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मिथुन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल करने में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहें।

कर्क : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

सिंह : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

कन्या : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

तुला : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

वृश्चिक : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

धनु : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

मकर : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मीन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कोरोना टीकाकरण १ मार्च से शुरु

बुजुर्गों व बीमारी से ग्रस्तों को लगेगा पहले

शासकीय चिकित्सालय में निशुल्क, निजी चिकित्सालय में २५० रु शुल्क

गोंदिया – कोरोना संक्रमण से बचाव के टीकाकरण का दूसरा चरण १ मार्च से शुरु हो रहा है। जिसमें ६० वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग नागरिक तथा गंभीर बीमारियों से ग्रस्त ४५ वर्ष से ऊपर के नागरिकों को दिया जाएगा। जिसमें शासकीय चिकित्सालय में टीकाकरण निशुल्क होगा वही निजी चिकित्सालय में २५० रु शुल्क देना होगा।

१० शासकीय, ६ निजी चिकित्सालय में टीकाकरण

गोंदिया जिले में कोरोना टीकाकरण १० शासकीय चिकित्सालय जिसमें के.टी.एस. जिला शासकीय चिकित्सालय, बी.जी.डब्लू. महिला चिकित्सालय, ग्रामीण चिकित्सालय तिरोड़ा, गोरेगांव, अर्जुनी मोरगांव,

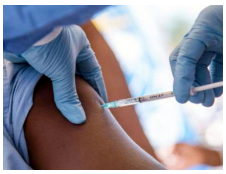

सड़क अर्जुनी, देवरी, सालेकसा, आमगांव तथा खमारी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का समावेश है। इसके अलावा जीवनदाई आरोग्य योजना से संलग्न ६ निजी चिकित्सालय जिसमें न्यू गोंदिया हॉस्पिटल गोंदिया, गोंदिया केयर हॉस्पिटल, बालाजी नर्सिंग होम, राधेकृष्ण क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल, ब्राम्हणकर हॉस्पिटल तथा रिलायंस कैंसर हॉस्पिटल का समावेश है।

कोविन २.० तथा आरोग्य सेतु एप पर करना होगा पंजीयन

टीकाकरण के इच्छुक लाभार्थियों को कोविन २.० तथा आरोग्य सेतु एप पर अपना पंजीयन करवाना होगा तथा टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी पंजीयन करवाया जा सकता हैं। जिसके पश्चात ही टीका लगेगा।

लगने वाले दस्तावेज

टीकाकरण के लिए लाभार्थी को उम्र प्रमाण पत्र हेतु आधार कार्ड अथवा चुनाव परिचय पत्र ले जाना आवश्यक होगा। इसके अलावा ४५ वर्ष से अधिक उम्र के नागरिक जिन्हें अन्य गंभीर बीमारी है उन्हें मेडिकल प्रमाण पत्र देना होगा।

कटंगटोला बाघ नदी घाट से रेती का अवैध उत्खनन

जिला खनिकर्म अधिकारी ने दिए कार्रवाई के आदेश, नागरिकों ने जिलाधिकारी से की थी शिकायत

गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला के बाघ नदी रेती घाट से बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। जिसकी शिकायत ग्रामवासियों द्वारा जिला अधिकारी से की गई। जिसके पश्चात जिला खनिकर्म अधिकारी द्वारा गोंदिया के उपविभागीय अधिकारी व तहसीलदार गोंदिया को उपरोक्त मामले पर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इस संदर्भ में लक्ष्मण नारायण तुलसीराम मेश्राम व सैकड़ों ग्रामीणों ने शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि अवैध उत्खनन से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल की समस्या तथा मार्गों की स्थिति दयनीय हो चुकी है।

भंडारा जिले में १ हजार करोड की रेती चोरी - परिणय फुके

बजट सत्र में मंत्री द्वारा गलत जानकारी देने पर जताया विरोध

गोंदिया – भंडारा जिले में करीब १ हजार करोड़ रुपए की रेती चोरी होने का मामला गोंदिया-भंडारा जिले के विधान परिषद सदस्य परिणय फुके ने बजट सत्र में उठाया था। जिस पर संबंधित मंत्री ने उक्त विषय पर गलत जानकारी दिए जाने से जमकर विरोध जताया।

विशेष यह है कि सत्र के दौरान विरोधी पक्ष आक्रमक भूमिका में दिखाई दे रहा है। परिणय फुके ने जानकारी दी कि एक ही तहसील से प्रतिदिन ५०० ट्रक रेती चोरी हो रही है। इस संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को १० पत्र लिखे गए। लेकिन इस पर किसी भी प्रकार का जवाब या कार्यवाही नहीं हुई। इसके विपरीत संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जवाब दिया जाता है कि जब राजा ही चोर है तब चौकीदार क्या कर सकते हैं। रेती चोरी के मामले की शिकायतें बड़े पैमाने पर सामने आने पर भी सिर्फ तीन प्रकरण पर ही कार्रवाई क्यों। इस पर भी प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। तथा इसके विरोध में २ विधानसभा विधायक अनशन पर बैठे हैं, लेकिन इस पर भी शासन द्वारा अब तक कोई कदम क्यों नहीं उठाया गया, इस पर भी सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

गोंदिया नगर परिषद टैक्स वसूली अभियान

दो मकानों को किया सील, ४ को दिया १ दिन का वारंट

गोंदिया नगर परिषद द्वारा बकाया टैक्स वसूली के लिए निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिसके चलते २ मार्च को एक ही मालिक के दो मकानों को सील किया गया तथा ४ बकायेदारों को १ दिन का वारंट दिया गया।

नगर परिषद द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सुखदेव वार्ड क्रमांक २२ की निवासी सेवंताबाई बडोले जिनके दो मकानों पर वर्ष २०१२-१३ से ५१३०१ रुपए का टैक्स बकाया था को सील किया गया। इसके अलावा ४ बकायेदारों को १ दिन का वारंट (अधिपत्र) दिया गया। जिसमें कुलसुन बी. अहमद शेख जिन पर ८४९७७ रुपए का टैक्स बकाया, हीराबेन चावड़ा जिन पर १ लाख ३९११७ रुपए का टैक्स बकाया, गेंदाबाई ठाकुर, झामसिंह ठाकुर जिन पर ९४१०३ रुपए का टैक्स बकाया तथा रतनलाल कोडवानी जिन पर ४३३२१ रुपए का टैक्स बकाया था, उन्हें १ दिन का वारंट दिया गया।

उपरोक्त कार्रवाई मुख्य अधिकारी करण चौहान के मार्गदर्शन में उपमुख्य अधिकारी व टैक्स अधीक्षक विशाल बनकर व टैक्स विभाग के कर्मचारियों द्वारा की गई।

चेतन समरीत की नियुक्ति

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– गोंदिया जिला अध्यक्ष पत्रकार (पत्रकार मोर्चा) के रुप में चेतन समरीत की नियुक्ति पुलिस मित्र व युवा महासंघ महाराष्ट्र राज्य की ओर से की गई है। संस्थापक अध्यक्ष प्रात्र नितीन जैस्वाल, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बालासाहब ढमाले, संपर्क प्रमुख सुदर्शन राऊत के मार्गदर्शन में पुलिस मित्र युवा संघ की ओर से उपरोक्त नियुक्ति की गई।

शराबी ट्रक चालक ने डिवाइडर पर चढ़ाया ट्रक

गोंदिया जिले से होकर गुजरने वाले महामार्ग क्रमांक ६ पर सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम ब्राम्हणी मार्ग पर गत कुछ दिनों से दुर्घटनाओं का प्रमाण काफी बढ़ गया है। मंगलवार २ मार्च को ट्रक क्रमांक सीजी ०४ एलके ९०६९ के शराबी चालक द्वारा रायपुर से नागपुर की ओर जाते समय ब्राम्हणी बस स्थानक चौराहे के समीप विपरीत दिशा के डिवाइडर को तोड़ते हुए वाहन को रॉंग साइड में ले गया। इस घटना में अनेक नागरिक बाल-बाल बचे। उपरोक्त घटना की जानकारी डुग्गीपार पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु की।

लायंस क्लब गोंदिया संजीवनी के

डिस्ट्रिक्ट गव्हर्नर की विजिट

गोंदिया – व्यवस्थितपूर्ण तैयारियां व अरेंजमेंट के साथ हमारे गव्हर्नर एम.जे. एफ. एड.संदीप खंडेलवाल का स्वागत किया गया साथ ही उनकी धर्मपत्नी रितु खंडेलवाल व डीजी को ऑर्डिनेटर अवनिकान्त शर्मा, रीजन चेयरपर्सन दीपक कदम, झोन चेयरपर्सन राजेस्वर कनोजिया का स्वागत किया गया। उपस्थित सभी मान्यवरों द्वारा समई जलाई गई क्लब अध्यक्ष योजना कोतवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुवात की गई। लिओ सत्यम कोतवाल ने ध्वज वंदन पढ़ा। सभी अतिथियों का फुलों से स्वागत किया गया। राजेश कनोजिया द्वारा मंच का संचालन किया गया। प्रीति कनोजिया ने बहुत ही आकर्षक अंदाज में गव्हर्नर का परिचय पढ़ा। डीजी गुरुजी ने अपनी डिस्ट्रिक्ट पिन से प्रीती का मान बढ़ाया। अध्यक्ष योजना कोतवाल, सचिव- बरखा कनोजिया व कोषाध्यक्ष प्रेमा शर्मा ने इस वर्ष किये गए विभिन्न प्रोजेक्ट गतिविधियों की रिपोर्ट आगामी होनेवाले प्रोजेक्ट व आवक- जावक की विस्तार से जानकारी गव्हर्नर को प्रस्तुत की। पीएसटी के उत्तम कार्यों की सराहना करते हुए गव्हर्नर ने सर्टिफिकेट देकर उनका मान बढ़ाया। डिस्ट्रिक्ट, रीजन व झोन की जानकारी पर प्रश्नावली की चहल-पहल चलती रही। सही उत्तर मिलनेपर डी.जी. गुरुजी के हस्ते इनाम का वितरण किया गया। डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन राजेश कनोजिया को इंटरनेशनल की सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सी.ए. विनोद जैन, ललित शर्मा, अमोल पाटिल आदि उपस्थित थे।

रेल विभाग की अनदेखी से नागरिक परेशान

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने रेल प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

गोंदिया– गोंदिया शहर के रेलवे स्टेशन का मात्र एक ही मुख्य प्रवेश द्वार शुरु है तथा अन्य दो प्रवेश द्वार बंद होने से यात्रियों व नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन की अन्य समस्याओं के निवारण को लेकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सचिव अमर वराडे ने रेल प्रबंधक व स्टेशन मास्टर से कई बार शिकायत की। लेकिन इसके बावजूद रेलवे के अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नही दिया। जिसके चलते कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंप यात्रियों व नागरिकों को हो रही परेशानी को हल करने की मांग की। उसी प्रकार उपरोक्त मांगे पुरी नहीं होने पर कांग्रेस कमेटी की ओर से आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन देते समय अमर वराड़े के प्रमुख मार्गदर्शन में रंजित कुमार गणवीर, दलेश नागदवने, अभिषेक जैन, अर्पित बसोड आदि उपस्थित थे।

ई–सेवा केंद्र का उद्घाटन संपन्न

गोंदिया– उच्च न्यायालय मुंबई के निर्देशानुसार जिला न्यायालय गोंदिया में ई-सेवा केंद्र का उद्घाटन २८ फरवरी को ११ बजे उच्च न्यायालय, मुंबई नागपुर खंडपीठ नागपुर व पालक न्यायमूर्ति न्यायीक जिला गोंदिया के न्यायमूर्ति अविनाश घरोटे के हस्ते सादगी पूर्वक तरीके से संपन्न हुआ। ई- सेवा केंद्र की ओर से दी गई सुविधाओं का लाभ सभी पक्षकार व वकील वर्ग ले ऐसा अहवान न्यायमूर्ति अविनाश घरोटे की ओर से किया गया। ई- सेवा के माध्यम से कई सुविधाएं प्रदान करने की जानकारी गोंदिया के प्रमुख न्यायाधीश सुहास व्ही. माने ने दी है। कार्यक्रम का संचालन सड़क अर्जुनी के कनिष्ठ स्तर दिवाणी न्यायाधीश एन.आर. ढोके ने किया तथा आभार गोंदिया के सह दिवाणी न्यायाधीश एन.आर. वानखेडे ने माना। इस अवसर पर गोंदिया जिला न्यायाधीश-१ उदय बा. शुक्ल और व गोंदिया जिला संघ के वकील अध्यक्ष टी. बी. कटरे प्रमुख रुप से उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बानने के लिए आर. जी. बारीकर, एस.जी. कान्हे व कर्मचारियों द्वारा अथक प्रयास किया गया।

कृषि योजना की लॉटरी में चयनित किसान करें आवेदन

गोंदिया– राज्य शासन की महाबीडीटी पोर्टल पर किसान योजना अंतर्गत विभिन्न कृषि विषयक योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की सूविधा उपलब्ध की गई है। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी गणेश घोरपड़े ने आवेदन करते समय सामूहिक सेवा केंद्र की मदद लेने का अहवान किया है। इस योजना अंतर्गत लाभार्थियों को एकी ही आवेदन में एक बार अपना नाम दर्ज करवाना जरुरी है। उक्त योजना कृषि विभाग द्वारा वर्ष २०२०-२१ से लागू की गई है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि ११ जनवरी तय की गई है। लाभार्थियों को महाबीडीटी ऐप में जाकर योजना के लाभ उठाने का अहवान जिला कृषि अधीक्षक ने किया है।

नागराधाम में भव्य युवा सम्मेलन संपन्न

गोंदिया– युवा शक्ती - राष्ट्र शक्ती संघटन नागराधाम के संयुक्त तत्तवावधान में युवाओं को एकत्रित कर उनमें सेवा, संस्कार, त्याग, विनम्रता तथा देशभक्ती के गुणों को बढ़ावा देना युवा सम्मेलन का एकमात्र उद्देश्य था। स्पर्धा परीक्षा के युग में रणनिति कैसे बनायें। इस विषय पर लोकेश लिल्हारे (एडीशनल कमिश्नर जी.एस.टी. भोपाल) की ओर से मार्गदर्शन किया गया। विधायक विनोद अग्रवाल ने स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत कैसा हो व डॉ. माहुले ने वैद्कीय मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रमुख मार्गदर्शक टिटुलालजी लिल्हारे ने कहां की अगर युवा शक्ती- राष्ट्र शक्ती संघटन और उक्त युवा सम्मेलन युवाओं की मदद करने में १ प्रतिशत भी सफल हो पाता है तो वे उसे अपना सौभाग्य समझेंगे। संघटना के अध्यक्ष सुरेश लिल्हारे ने संघटन के कार्य एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। इंजि. ओम. बारे ने भारत का गौरवशाली इतिहास सनातम संस्कृति तथा युवाओं के कर्तव्य इस विषय पर बहुमुल्य मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में योगसत्र, विविध विषयों पर चर्चासत्र, विविध खेल तथा स्वामी विवेकानंदजी एवं डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन पर आधारित डॉकयुमेंट्री ऐसे अलग-अलग पहलू थे। इस कार्यक्रम में योगसत्र मदनकर गुरुजी तथा संचालन लुटे गुरुजी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्वाती बांते, त्रिवेणी बांते, ज्योति बांते, सागर बनोटे, अजय नागरीकर, अजय लिल्हारे, आशिष ढेकवार, रुपेश लिल्हारे, दिपक दसरिया, विक्की लिल्हारे, स्वाती भेलावे, दुर्गा नेवारे, अमित नागपुरे, आशिष लिल्हारे, कुंदन ढोमणे, कमलेश दमाहे आदि ने अथक प्रयास किया इस हेतु संघटना की ओर से स्वयंसेवकों को बधाई दी गई।

कास्ट्राईब कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा : अरुण गिरीपुंजे का आश्वासन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दों और समस्याओं को लेकर कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ जिला गोंदिया के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश वासनिक के नेतृत्व में २४ फरवरी को अरुण गिरीपुंजे सहा. गट विकास अधिकारी पं.स. गोरेगांव के साथ कास्ट्राईब कर्मचारी महासंघ की बैठक की गई। इस अवसर पर पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की विभिन्न मांगे और समस्याओं को लेकर बैठक का आयोजन कर चर्चा की गई तथा अरुण गिरीपुंजे सहा. गटविकास अधिकारी पं.स. गोरेगांव ने हो रही सभी समस्याओं का समाधान निकालने का आश्वासन दिया। बैठक में ओमप्रकाश वासनिक, संजय उके, सिद्धार्थ भौतमांगे, अरविंद साखरे, तेजराम गेडाम, अजित रामटेके, नम्रता रंगारी, एम.बी. नंदागवली, डी.आर. अंबादे, रविंद्र शहारे उपस्थित थे।

संत गाडगे महाराज की जयंती मनाई

गोंदिया– श्री संत गाडगे महाराज सेवा संस्था व धोबी समाज गोंदिया के द्वारा संत शिरोमणि गाडगे महाराज की १४५ वी जयंती समारोह बड़े धुमधाम से सादगी पूर्ण तरीके से मनाई गई तथा कोरोना महामारी के नियमों का पालन भी किया गया। सुबह १० बजे संत गाडगे महाराज की पूजा अर्चना कर भजन-कीर्तन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विविध कार्यक्रम के साथ ही इसके पश्चात दहीहांडी व दहीकाला किया गया। संत गाडगे महाराज को महाप्रसाद का भोग लगाकर शोसलडिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रसाद वितरण किया गया। संत गाडगे बाबा के संदेश, संगठित और शिक्षित बनो का संदेश आज की पीढ़ी को दिया गया व मंदिर परिसर में सफाई अभियान किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेश कनोजिया, सचिव श्याम कनोजिया, उपाध्यक्ष महेश श्रीभात्र, सहसचिव दिनेश कनोजिया, कोषाध्यक्ष पप्पू कनोजिया, संस्था के ट्रस्टी ज्ञानी कनोजिया, दिनेश बी. कनोजिया, राजेश्वर कनोजिया, हिम्मतलाल श्रीवास, पंकज कनोजिया, लक्ष्मी कनोजिया, दीपाली कनोजिया,ममता कनोजिया, प्रीति कनोजिया, गायत्री कनोजिया, बैसवारे आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट करनेवाले ३ पर मामला दर्ज

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले संजय नगर मुर्री निवासी फर्यादी गीता राजेश आंबेडारे (३८) अपने पति के साथ घर में मौजुद थी तथा उसका पति बडबडा रहा था। इसी दौरान तीन आरोपियों ने आपसी में सांठगांठ कर उसके घर में प्रवेश किया और हने देखकर क्यों बडबडा रहा है ऐसा कहते हुए फर्यादी के पति के साथ गालीगलौच कर लात व मुक्कों पिटाई कर दी। फर्यादी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत व डॉक्टरी अहवाल के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा ४५२, ३२३, ५०४, ५०६ सहकलम ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार मलगाम कर रहे है।

दारु के पैसों को लेकर वृद्ध मां को पिटा

दवनीवाड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम रतनारा में आरोपी बेटे ने अपनी मां से दारु पीने के लिए पैसों की मांग की। जिसपर मां ने मना कर दिया और काम में जा अपने पैसों की दारु पी। इस प्रकार की बात कही जिसपर गुस्साएं आरोपी ने मुझे ऐसा क्यों कहा बोलते हुए अपनी मां के सिर पर सब्बल से वार कर घायल कर दिया। फर्यादी मंगला अनसराम राऊत (७०) द्वारा दर्ज कराई गई शिकात व डॉक्टरी अहवाल के आधार पर आरोपी बेटे के खिलाफ धारा ३२४, ५०४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वृद्ध महिला की लाश कुएं में मिली

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम तिड़का में बाबुराव सितकुरा रंगारी (७२) रात्री के दौरान भोजन कर सोई हुई थी। लेकिन फर्यादी प्यारेलाल बाबुराव रंगारी (४६) ने जब अपनी मां को सुबह उठकर देखा तो वह घर में नही थी। इस संदर्भ में फर्यादी ने पुलिस पाटिल को जानकारी तथा दोनों मिलकर महिला की तलाश करने निकले इसी दौरान जब उन्होंने गांव के एक सार्वजनिक कुएं झांककर देखा तो सितकुरा रंगारी का शव पानी में तैरता दिखाई दिया। फर्यादी की शिकायत के आधार पर डुग्गीपार थाने में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार शेंडे कर रहे है।

मोटर पंप चोरी

गोंदिया ग्रामीण थाना अंतर्गत आनेवाले फुलचुर निवासी फर्यादी कुवरलाल सुकाजी लिल्हारे (५५) के खेत में धान की सिंचाई के लिए लगाया गया मोटर पंप कीमत १३ हजार रुपए अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेते हुए लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुपहिया की टक्कर से बच्ची जख्मी

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले कहाली निवासी फर्यादी व्यंकट सुखदेव लिल्हारे (३२) की ८ वर्षीय बेटी सोनाक्षी व्यंकट लिल्हारे को दुपहिया क्रमांक एमएच ३५. एफ. ९३१३ के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन तेज गति से चलाते हुए टक्कर मार दी जिसके चलते फर्यादी की बेटी गंभीर रुप से जख्मी हो गई। शिकायत के आधार पर धारा २७९, ३३७, ३३८ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मारपीट करनेवाले ३ पर मामला दर्ज

दवनीवाड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम सोनपुरी में दो सगे संबंधी रिस्तेदारों के बीच आपस में मारपीट हो गई। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी रोशन मदलाल दमाहे (४५) अपने घर में मौजुद थी। इसी दौरान तीन आरोपी फर्यादी के घर के सामने आकर आई हेलनबाई से क्यों मारपीट की ऐसी बात कहते हुए आरोपी क्र. ३ ने गालीगलौच की तथा आरोपी क्र. २ ने फर्यादी को पकड़ रखा व आरोपी क्रमांक १ ने बैलबंडी पर रखी लाठी से फर्यादी के सिर और पीठ पर वार कर जख्मी किया। फर्यादी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत व डॉक्टरी परिक्षण के अहवाल आरोपियों के खिलाफ धारा ३२४, ५०६, ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कार सजावट का माल चोरी

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम बडेगांव में अज्ञात चोरो ने कार सजावट के सामान की दुकान का ताला तोड़कर बेस ट्यूब, स्पीकर, एलईडी, मिरर, कैमरा आदि कुल मिलाकर ७३ हजार २०० रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना २७ जनवरी की रात ८ से २८ फरवरी को तड़के २ बजे के दौरान घटित हुई। पुलिस ने फर्यादी पांढरी निवासी हर्षद श्रावण नान्हे (२५) की शिकायत पर भादंवि की धारा ४५७, ३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक सचिन वांगडे कर रहे है।

वन क्षेत्र से कैमरा चोरी

आमगांव वनपरिक्षेत्र अंतर्गत मांडोदेवी से देवाटोला मार्ग पर जंगल में वन्य प्राणियों तथा मनुष्यों की हलचल पर निगरानी रखने के लिए लगाया गया कैड बैंक कंपनी का १२ हजार ७५० रुपए मुल्य का कैमरा अज्ञात आरोपियों ने चुरा लिया। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक उरकुडे कर रहे है।

सोतोकॉन कराटे परीक्षा संपन्न

नेशनल सेतोकॉन कराटे ऐशोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में गोंदिया जिला सेलाकॉन कराटे एशोसिएशन द्वारा कराटे वेल्ट परीक्षा २३ फरवरी को दिल्ली पब्लिक स्कूल सावरी अंगारो में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में अर्थव चौरसिया, बोपचे, रुद्राक्ष सिह बोपचे, दक्ष बोपचे, अनिल सोनवाने, राज शेडे, हसिका शेंडे, गार्गी चंद्रिकापुरे, श्रावणी चंद्रिकापुरे, रितीश पटले, रितेश साठवने, येलो बेल्ट- प्राजक्ता रामटेके, काव्या दमाहे, रिषित पटले, ऑरेंज बेल्ट- संघर्ष डहाट, मनसिंग गुलाटी, परपल बेल्ट अभिषेक माहूरे, अभय तुरकर, ब्राऊन सिल्वर बेल्ट मैथली आ. इन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कोच जि. मुख्य प्रशिक्षक- राजु पी. चौरागडे, लेडिज मुख्य मालती लिल्हारे, सह प्रशिक्षक लियोज चौरागडे के उपस्थिति में परीक्षा ली गई।

५८३ गांवो पर जलसंकट का साया मंडराया

उपाय योजना में जुटा प्रशासन

गोंदिया- जिले में इस वर्ष पर्याप्त बारिश होने के बावजूद भी अप्रैल-जून के दौरान लगभग ५८३ गांवो में पेयजल संकट गहराने के आसार अभी से दिखने लगे हैं। जिसे देख ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा सभी पंचायत समिति कार्यालयों से जल संकट संबंधित जानकारी एकत्रित कर जिलाधिकारी कार्यालय में जल संकट निवारण का प्रारुप मंजूरी के लिए भेजा गया था। जिसे २४ फरवरी को जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। संभावित जल संकटग्रस्त गांव में ४५२ बड़े एवं १३१ छोटे गांवो का समावेश है। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के भू-वैज्ञानिक शिरीष बागडे ने जानकारी देते हुए बताया कि जलसंकट निवारण के लिए कुल १ हजार ६४७ उपाय योजनाएं क्रियान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत २२३ नए कुएं तथा बोरवेल का निर्माण १ हजार १९६ बोरवेल की दुरुस्ती, १४६ कुओं का गहराईकरण, ७६ जलपूर्ति योजनाओं की विशेष दुरुस्ती आदि कामों का जल संकट निवारण में प्रमुखता से समावेश किया गया है। गौरतलब है कि इस वर्ष पर्याप्त बारिश होने के कारण अक्टुबर से लेकर मार्च तक जिले के किसी भी गांव में पेयजल संकट की गंभीर समस्या निर्माण नही हुई लेकिन ग्रीष्मकाल के दौरान अनेक गांवो में पेयजल संकट गहराने की आशंका जताई जा रही है।

जलसंकट से निपटने कर रहे उपाय

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी ३ चरणों में जल संकट निवारण प्रारुप तैया किया गया है। अक्टुबर से दिसंबर पहला चरण, जनवरी से मार्च दुसरा चरण तथा अप्रैल से जून तीसरा चरण इस प्रकार नियोजन किया गया है। पहले व दुसरे चरण जल संकट की समस्या न के बराबर है लेकिन अब तीसरे चरण में अनेक गांवो में जलसंकट निवारण का प्रारुप तैयार कर प्रशासन की अनुमति मांगी गई है। उपाया योजनाओं का क्रियान्वयन शुरु हो गया है।

- शिरीष बागडे
भू-वैज्ञानिक ग्रामीण जलापूर्ति, जिप गोंदिया

कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए बनाए स्वतंत्र यंत्रणा

ग्राहक पंचायत महाराष्ट्र की मांग

गोंदिया- कोरोना महामारी का संक्रमण फिर तेजी से फैल रहा है। जिसके चलते राज्य सरकार को कोविड -१९ मरीजों के उपचार के लिए एक स्वतंत्र प्रणाली स्थापित करनी चाहिए ताकि महाराष्ट्र के विदर्भ प्रांत वाले मरीजों को उनके अतिरिक्त बिलों पर धोखा न दिया जाए ऐसी मांग ग्राहक पंचायत महाराष्ट्र की ओर से स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को ज्ञापन सौंप की गई। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि राज्य के सभी निवासियों को महात्मा फुले योजना के तहत मुक्त कोविड -१९ उपचार प्रदान किया जाएगा।

राज्य सरकार को एक स्वतंत्र निगरानी निकाय स्थापित करना चाहिए, उपभोक्ता पंचायत महाराष्ट्र विदर्भ ने पहले एक बयान में कहा था स्वास्थ्य मंत्रालय हालांकि उपभोक्ता पंचायत, महाराष्ट्र, विदर्भ के साथ शिकायत की गई है कि चिकित्सालयों में अत्यधिक बिल वसूल कर मरीजों को धोखा दिया गया है। स्थिति हाथ से बाहर हो रही है क्योंकि उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है जिसके वे हकदार हैं। कोरोना महामारी के दौरान रोगियों और उनके रिश्तेदारों की घुसपैठ और हर जगह होने वाली उलझन को देखते हुए यह देखने के लिए तत्काल निगरानी की जानी चाहिए कि क्या रोगी इससे लाभान्वित होते हैं। उपभोक्ता पंचायत महाराष्ट्र के विदर्भ प्रांत के अध्यक्ष श्यामकांत पाटीकर ने कहा कल्पना उपाध्याय, विदर्भ प्रांतीय सचिव लीलाधर लोहरे ने ध्यान आकर्षित किया है।

सरकार द्वारा २३ मई २०२० को लिए गए निर्णय के अनुसार, राज्य के सभी निवासियों को मुफ्त कोविड -१९ उपचार प्रदान किया जाएगा। उपचार का खर्च महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के तहत सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इस योजना से कोविड -१९ के उपचार के लिए सभी को लाभ होगा। इस हेतु मरीज का आधार कार्ड, राशन कार्ड होना आवश्यक है। इस अवसर पर उपभोक्ता पंचायत महाराष्ट्र गोंदिया के जिला अध्यक्ष दुर्गेश राहंगडाले, आयोजक राजेश कनोजिया, जिला सचिव आदेश शर्मा, महिला आयोजक शीतल राहंगडाले, उपाध्यक्ष सोमवंशी आदि उपस्थित थे।

दुष्कर्म मामले में आरोपी पति-पत्नी और मां बरी

गोंदिया- जिला अपर व सत्र न्यायालय के न्यायधीश शुक्ल ने एक दुष्कर्म प्रकरण में निर्णय देते हुए आरोपी पति-पत्नी और मां तीनों को बरी किया है। बताया जा रहा है कि टीबी टोली निवासी अविनाश भांदकर ने वर्ष २००२ से २००६ के दौरान फर्यादी महिला को शादी करने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वर्ष २०१२ से वर्ष २०१४ तक आरोपी पत्नी नेहा अविनाश भांदकर के समक्ष फर्यादी के साथ विवाह करने की बात की गई, लेकिन विवाह नही किया गया। इसके विपरित आरोपियों ने मिलीभगत कर फर्यादी के साथ धोखाधड़ी करते हुए फर्यादी के साथ मारपीट व गालीगलौच कर जान से मारने की धमकी दी। इस संदर्भ में फर्यादी की शिकायत पर रामनगर थाने में धारा ३७६, ४२०, ४१७, ३२३, ५०४, ५०६ व ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में पाया गया कि आरोपी और फर्यादी दोनों टीबी टोली स्थित सहयोग बचत संस्था में एक साथ काम करते थे। इसी बीच फर्यादी को आरोपी ने विवाह का लालच देकर फर्यादी को अपने घर बुलाकर उसके साथ जबरदस्ती की थी। तत्कालीन सहायक पुलिस निरीक्षक दराडे ने जांच कर दोषारोपण पत्र न्यायालय में दाखिल किया। गवाहदारों के बयान दर्ज किए गए, लेकिन बयानों में विसंगतियां व पर्याप्त सबूतों के अभाव के कारण तीनों आरोपियों को बरी किया गया। आरोपियों की ओर से एड. निजाम शेख व विवेक बाराप्रात्रे ने पैरवी की।

श्रृंगारबांध तलाव में २ विदेशी पक्षियों की मृत्यु

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- तहसील के ग्राम बोडगांव सुरबन में स्थित श्रृगारबांध तलाव के पानी में २ विदेशी पक्षी २५ फरवरी को मृत अवस्था में पाए गए इन पक्षियों की मृत्यु बर्डफ्ल्यू या जहरीले पानी से हुई है या फिर किसी अन्य वजह से परिसर में यह चर्चा का विषय बना हुआ था। गौरतबल है कि गोंदिया जिले को तलाव के जिले के नाम से जाना जाता है। यहां प्रतिवर्ष अक्टुबर महिने में विदेशी पक्षियों का आगमन होता है, अत्याधिक तापमान सहन नहीं होने से विदेशी पक्षी ठंड का मौसम समाप्त होते ही वापस लौट जाते है। इस वर्ष बड़े पैमाने पर स्थलांतरित पक्षियों का आगमन जिले में हुआ है। लेकिन ठंड का मौसम समाप्त होने के बाद भी पक्षी वापस नहीं गए है। जिससे पक्षी प्रेमियों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। मृत अवस्था में पाए गए पक्षी का नाम ग्रे लेग गुज (कलहंस) बताया गया।

तलाव में पक्षियों का शिकार

इस तलाव में पक्षियों के शिकार किए जाने की चर्चा है। इन पक्षियों की मृत्यु फिलहाल बर्डफ्ल्यू से होने की आशंका कम है तथा संक्रमण फैलने तो अन्य पक्षियों की मृत्यु का प्रमाण भी बढ़ता। इस प्रकार की एक घटना २९ जुलाई २०१९ को घटित हुई थी। इस तलाव में एक सारस पक्षी का जोड़ा आया था। लेकिन जोड़े द्वारा किटनशानक धान रोपाई फसल का सेवन किए जाने से उनकी मृत्यु हो गई।

ग्राम येरंडी में जीओ का नेटवर्क कवरेज के बाहर

नागरिकों व विद्यार्थियों को हो रही परेशानी

संतोष रोकड़े- पिछले कई महिनों से ग्राम देवलगांव परिसर में जीओ कंपनी के टॉवर लगाए गए है। कुछ दिनों तक उक्त टॉवर का नेटर्वक ठीक चल रहा था। लेकिन पिछले कई दिनों से ग्राम यरंडी में जीओ का नेटवर्क नही होने से नागरिकों व विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोरोना संक्रमण के चलते अनेक स्कूल, विद्यालय, शासकीय प्रशिक्षण संस्था व महाविद्यालय बंद है तथा कुछ विद्यालयों को शुरु किया गया है लेकिन परिक्षाओं को केवल ऑनलाइन लिया जा रहा है। जिसके कारण विद्यार्थियों को कम्प्यूटर व मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन पढ़ाई कर परीक्षा देना पड़ता है। लेकिन नेटर्वक नही होने से विद्यार्थियों को परीक्षा देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में कई विद्यार्थियों द्वारा अभियंता कार्यालय में संपर्क किया गया लेकिन यहां उचित जवाब न देते हुए फोन काट दिया जाता है। उसी प्रकार शिकायत किए जाने पर भी यहां के कर्मचारी इस ओर ध्यान नही दे रहे हैं।

पिछले कई दिनों से ऑनलाइन परीक्षा शुरु है। लेकिन नेटर्वक नही होने से परीक्षा देने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

- पदव्युत्तर अभ्यासक्रम विद्यार्थी

जब जीओ कंपनी के टॉवरों को शुरु में लगाया गया था तो नेटवर्क अच्छा रहता था। लेकिन पिछले कई दिनों से नेटवर्क के अचानक गायब होने से इंटरनेट नही चल रहा तो परीक्षा कैसे दी जाएगी।

- एस.बी.बोरकर कनिष्ठ महाविद्यालय विद्यार्थी

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

मैं निरंतर अपनी माताओं, बहनों के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं को हल करुंगी -सविता अग्रवाल

गोंदिया- गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में पहली बार है जब किसी विधायक की पत्नी ने २५ दिनों के लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरे कर २५ हजार महिलाओं से सीधे संपर्क किया। विधायक विनोद अग्रवाल की धर्मपत्नी सविता अग्रवाल की ओर से यह कार्य किया गया। मकर संक्रांति के बाद २१ जनवरी से १९ फरवरी तक गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के छोटे-बड़े करीब १३० गांवों में जाकर करीब २५ हजार महिलाओं से सीधे संपर्क किया। प्रत्येक गांव में हल्दी-कुंकू का कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं से भेंट कर उन्हें उपहार वस्तु भेंट की साथ ही उन्होंने विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं ग्रामीण महिलाओं की समस्याओं को नजदीकी से जाना। सविता अग्रवाल ने आगे कहा कि मुझे बहुत खुशी है आज मैं अपनी माताओं, बहनों और बेटियों के बीच उपस्थित हुई हुं। मेरा प्रयास सदैव मातृशक्ति के विकास हेतु प्रबल है। उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या मेरी अपनी समस्या है। मैं अपने क्षेत्र की मातृशक्तियों को एक सक्षम, विकसित और संपन्न देखना चाहती हुं। इसके लिए मेरा संपर्क निरंतर आपके बीच रहेगा। सविता अग्रवाल ने कहा कि विधायक विनोद अग्रवाल को जिस प्रेम, विश्वास के साथ आपने उन्हें जनता का विधायक बनाकर जनप्रतिनिधित्व सौंपा उसके वे सदैव आभारी रहेंगे। उनका संकल्प है कि वे इस क्षेत्र के विकास के साथ प्रत्येक व्यक्ति परिवार का विकास करें। इसके लिए विधायक निरंतर कार्य कर रहे है।

सभी महिलाओं द्वारा विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यों की प्रशंसा किये जाने पर सविता अग्रवाल ने सभी का अभिनंदन माना। इस अवर पर चाबी संगठन महिला आघाड़ी जिलाध्यक्ष चंतालिताई नागपुरे, पूर्व जिप सभापति शैलजा सोनवाने, पूर्व जिप सदस्य बिरसोला श्यामकला पाचे, कमलेश्वरी लिल्हारे, ग्राम तांडा की पूर्व सरपंच व पूर्व पंस सदस्य इंद्रायणी रहांगडाले, पूर्व पंस सदस्य दीपा चंद्रिकापुरे, पूर्व सरपंच रापेवाड़ा भूमिता येड़े, पलक रोहित अग्रवाल एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशाताई फुलसुंगे उपस्थित थी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।